बड़े लोगों का बचपन

राल्फ बन्च

नोबल पुरुस्कार विजेता

"सेंट लुइस! सेंट लुइस!" जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर रुकी, कुली चिल्लाने लगे. बंच परिवार ने अपना सामान इकट्ठा किया, वे अपने डिब्बे से नीचे उतरे और प्लेटफार्म पर तेजी से चल पड़े. दस वर्षीय राल्फ की दादी एक छोटी, दृढ़ निश्चयी महिला, और जो राल्फ से ज्यादा लंबी नहीं थी. उसने दादी का हाथ मज़बूती से पकड़े रखा.

राल्फ और उसकी दादी ने सेंट लुइस में दूसरे गाड़ी बदली.

"लेकिन दादी," राल्फ ने कहा, "हम यहाँ क्यों उतरे हैं? यह अल्बुकर्क नहीं है, यह तो सेंट लुइस है!"

"हाँ, यह सेंट लुइस," दादी ने कहा, "और वो मिसौरी में है. मिसौरी एक अलग राज्य है. हमें यहां पर गोरे लोगों के साथ सवारी करने की अनुमति नहीं है."

बंच परिवार ने एक विशेष डिब्बे में न्यू मैक्सिको की अपनी यात्रा समाप्त की. वो डिब्बा दो भागों में बंटा था - आधा नीग्रो लोगों के लिए और आधा सामान के लिए.

यह राल्फ का रंगभेद के क्रूर कानूनों का पहला अनुभव था जो अमेरिका के कई दक्षिणी राज्यों में लागू थे. वहां के गोरे लोग, नीग्रो लोगों में सस्ते मजदूर चाहते थे, इसलिए उन्होंने नीग्रो लोगों को बेहतर बनने से रोकने की पूरी कोशिश की. नीग्रो अच्छे स्कूलों में नहीं जा सकते थे और न ही वोट दे सकते थे. वे गोरे लोगों के होटलों में भोजन भी नहीं कर सकते थे.

सौभाग्य से जहां राल्फ जा रहा था, वहां ऐसा कोई कानून नहीं था. वह जहां से आया था वहां भी वैसा कोई कानून नहीं था.

राल्फ का जन्म 1904 में हुआ था और उसका पालन-पोषण मिशिगन में महान तालों (लेक्स) के तट पर हुआ था. डेट्रॉइट में, जहां उनके पिता एक नाई थे, वे जर्मनी और ऑस्ट्रिया के अप्रवासियों के बीच रहते थे.

वहाँ कभी किसी ने उसे अलग महसूस कराने की कोशिश नहीं की थी क्योंकि वो एक नीग्रो था.

राल्फ की माँ एक बहुत अच्छी पियानोवादक थीं लेकिन बेटी के जन्म के बाद उन्हें रूमेटिक बुखार हो गया. डॉक्टरों ने कहा कि मिशिगन की ठंडी, नम जलवायु में वो कभी ठीक नहीं होंगी, इसलिए उनके पति ने अपने परिवार को अल्बुकर्क भेजने का फैसला किया. पिता खुद फेफड़ों की गंभीर शिकायत से पीड़ित थे और न्यू मैक्सिको की गर्म शुष्क हवा उनकी ज़रूर मदद करती. लेकिन परिवार के बसने तक उन्होंने वहीं रहने और पैसा कमाने की ठानी.

दादी जॉनसन परिवार की रीढ़ थीं. वो बरसों तक राल्फ के माता-पिता के साथ रहीं, और उन्होंने अपने अन्य पुत्र-पुत्रियों की भी देखभाल की, साथ ही वो काम पर भी जाती रहीं. राल्फ ने कहा कि उसकी दादी उसके जीवन में सबसे मजबूत महिला थीं.

दादी ने अल्बुकर्क में एक घर खरीदा और फिर कुछ महीनों के लिए राल्फ बहुत खुश था. मैक्सिकन और भारतीय बच्चों के बीच उसके बहुत सारे दोस्त थे. अल्बुकर्क एक खूबसूरत शहर था, जो ऊंचे नीले पहाड़ों और विस्तृत रेगिस्तान से घिरा हुआ था. उसकी विशेष रूप से नवाहो भारतीयों में रुचि थी जो न्यू मैक्सिको में रहते थे, क्योंकि उनके पूर्वजों में से एक उत्तरी जनजाति का इंडियन था.

लेकिन राल्फ की माँ की तबीयत ठीक नहीं हुई, और जब पिता माँ के साथ वहाँ आए, तो वो भी बहुत बीमार थे. तीन महीने के अंदर दोनों का देहांत हो गया और फिर राल्फ और उसकी बहन अनाथ हो गए.

एक बार फिर दादी जॉनसन ने उनका जिम्मा संभाला.

दादी ने घर बेच दिया और वो बच्चों को लॉस एंजिल्स ले गईं क्योंकि उन्हें लगा कि वो वहां बेहतर जीवन यापन कर सकती थीं. चाचा-चाची भी उनके साथ गए, और उससे बच्चों को अपने माता-पिता के नुकसान से उबरने में कुछ मदद मिली

राल्फ ने प्राथमिक विद्यालय में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया कि उसने इतिहास और अंग्रेजी में दो पुरस्कार जीते.

उसके बाद राल्फ, जेफरसन हाई स्कूल में पढ़ने गया. वहाँ अधिकांश छात्र गोरे थे और वे राल्फ के प्रति बहुत अधिक मित्रवत नहीं थे. राल्फ ने उसकी चिंता नहीं की, क्योंकि वो उन्हें यह दिखाना चाहता था कि एक नीग्रो क्या कर सकता था. उसने खेलों में स्कूल का प्रतिनिधित्व किया और लगातार प्रथम श्रेणी का छात्र बना रहा. एक वर्ष उसे कॉलेज मैगज़ीन का संपादक बनाया गया. उसने जो कुछ भी किया वो असाधारण रूप से अच्छा किया. राल्फ की किताबें और खेल उपकरण खरीदने के लिए, दादी ने घर कार्य के साथ अतिरिक्त सिलाई भी की. छुट्टियों में काम करके उससे जितना हो सका राल्फ ने दादी की मदद की.

जेफरसन से स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद राल्फ अपने जीवन यापन के लिए काम करने के लिए तैयार था. लेकिन दादी ने उसे कॉलेज की पढ़ाई करने के लिए मज़बूर किया. दादी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में चार साल तक उसे देखने और यह सुनने के लिए जीवित रहीं कि राल्फ ने हार्वर्ड में पढ़ने की छात्रवृत्ति जीत ली थी.

लॉस एंजिल्स के नीग्रो समुदाय ने हार्वर्ड में पढ़ने के लिए राल्फ की मदद की और 1,000 डॉलर एकत्र किए. अब राल्फ, संयुक्त राष्ट्र में विशेष राजनीतिक मामलों के सचिव हैं और दुनिया के सबसे सम्मानित व्यक्तियों में से एक हैं. उन्होंने नए देश इज़राइल की मदद करने के लिए 1950 में नोबेल शांति पुरस्कार जीता. उन्होंने अक्सर कहा है कि वो अपनी सफलता के लिए अपनी दादी जॉनसन के पूरी तरह ऋणी हैं.

ऊपर: 1950 में नोबेल शांति पुरस्कार के विजेता राल्फ बंच, दुनिया के सबसे सम्मानित व्यक्तियों में से एक हैं.

दाएं: जेफरसन हाई स्कूल में, राल्फ के बहुत कम दोस्त थे.